



ॐ श्रीपरमात्मने नमः ॐ

ॐ श्रीसुरभ्यै नमः ॐ



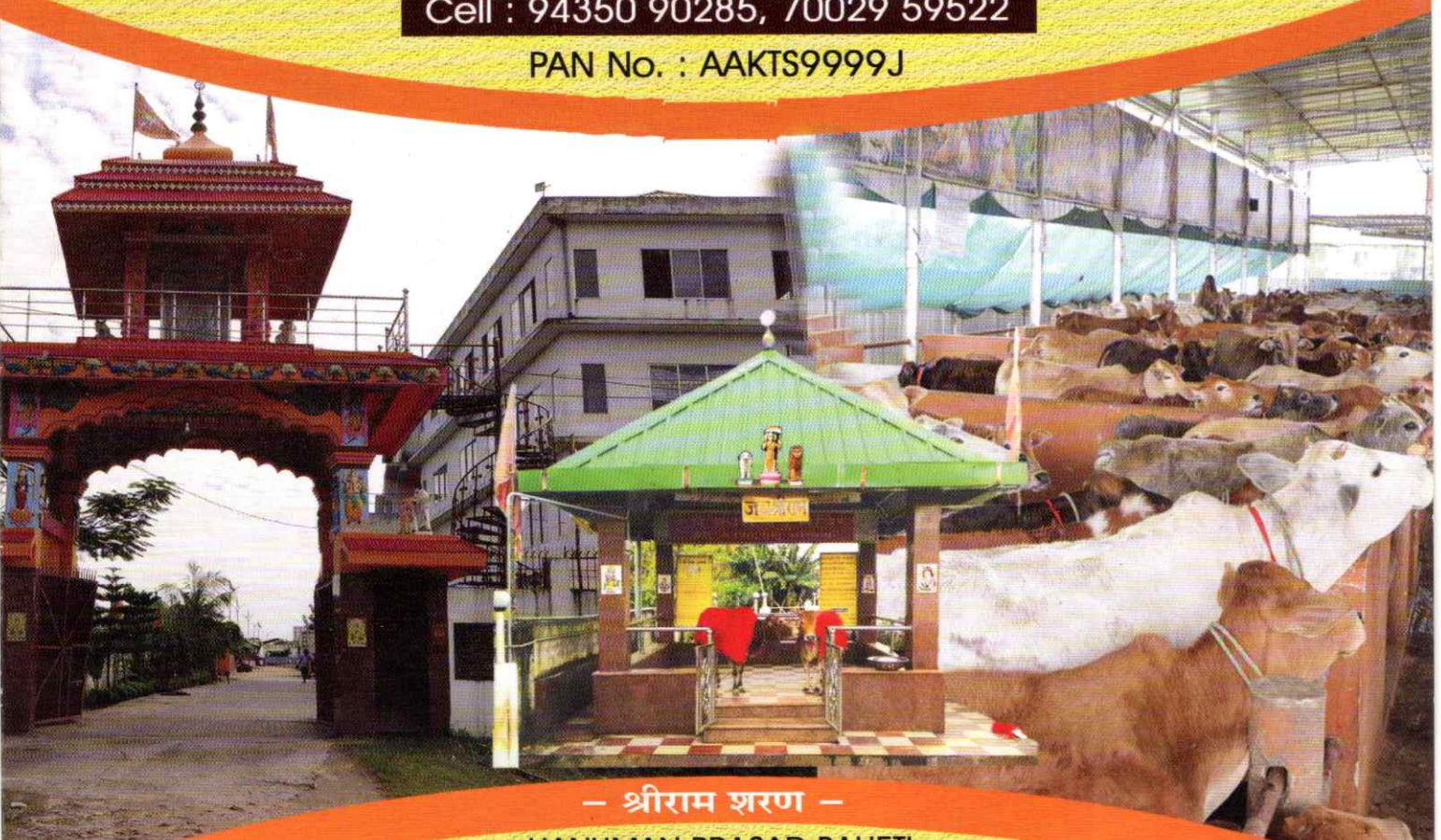
एक नजर में

श्री गीता गौशाला परमार्थ संस्था (ट्रस्ट)

उद्देश्य : गौवंश प्रतिपालन और गीता-ज्ञान से धरती माता को विषमुक्त बनाकर,
सम्पूर्ण विश्व में पुनः सनातन धर्म व श्री रामराज्य स्थापित करना ।

Cell : 94350 90285, 70029 59522

PAN No. : AAKTS9999J



— श्रीराम शरण —

HANUMAN PRASAD BAHETI

FOUNDER, CHAIRMAN & CHIEF TRUSTEE

BANK DETAILS : **SHREE GEETA GAUSHALA PARAMARTH SANSTHA**

PNB Bank C/ A/c. : 0241002100022736, IFSC : PUNB0024100

YES BANK S/A/c. : 017894600000251, IFSC : YESB 0000178.

omjaishriram@yahoo.com, shreegeetaashram@gmail.com

G Pay



SHREE GEETA ASHRAM GAU MAHATEERTH

PADUMANI, N.H.- 37, JORHAT- 785010 (ASSAM)

Youtube Chanel _ : Shree Geeta Gaushala Paramarth Sanstha, Face Book _ : Shree Geeta Gaushala Paramarth Sansthan

(Donation to the Above Trust is exempted U/S 80G of Income Tax Act, 1961. Unique Regd. No. AAKTS9999JF20113, Dt. : 24-09-2021)

श्री गीता आश्रम गौ-महातीर्थ

श्री गीता गौशाला : दिनांक 30 मार्च, 2015 को गौ तस्करों द्वारा कत्लखाने ले जा रहे 98 गौवंश की एवज में सात लाख रुपयों का भुगतान कर उनके प्राणों की रक्षा की गई और दिनांक 30 मई, 2015 को महामण्डलेश्वर श्रीश्री 1008 स्वामी बालकानन्दजी महाराज, दीदी मां ऋतम्भराजी एवं सम्मानित संतों के कर कमलों से इस गौशाला की नींव रखी गयी। तब से आज तक (दिनांक) कुल () गौवंश को कत्ल होने से बचाया गया है। सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त व बीमार () (दिनांक) गौवंश को लाकर इलाज कर चुके हैं। गौशाला में वर्तमान (दिनांक) (कुल) गौवंश की सेवा हो रही है। गौशाला परिसर में गौ चिकित्सालय भी है।

गीता ज्ञान : दिनांक 30 नवंबर, 2017 गीता जयंती से श्री गौगीता महायज्ञ अनुष्ठान के तहत प्रातः 6.45 से 7.30 बजे तक साधक संजीवनी गीता का पठन-पाठन, व्याख्या, प्रार्थनाएं और गीता माता की आरती नियमित रूप से की जाती है।

श्रीगीता गौशाला परमार्थ संस्था के यूट्यूब चैनल पर प्रायः प्रसारित किया जाता है।

घरती माता को विषमुक्त बनाने में सहयोग : स्वेत, चाय बागान, नर्सरी तथा घरेलू सब्जी बाग की जमीन पर जैविक उत्पादन के लिए गोबर, गौमूत्र, गोमयस्वाद, कीट नियंत्रक आदि का आपूर्ति कार्य निरंतर जारी है।

भारतीय नैतिक संस्कार आधारित विद्यादान : आश्रम के प्रांगण में दिनांक 8 मई, 2021 से शिशु शिक्षा समिति, असम से सम्बद्ध विद्यालय श्रीमंत शंकरदेव विद्यापीठ में बच्चों को तत्त्वज्ञान सहित भारतीय नैतिक संस्कारों पर आधारित असमिया, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत भाषा में संगीत, योग प्राणायाम, स्वेल्कूद चित्रकारी आदि की आधुनिक शिक्षा प्रदान की जाती है।

स्वस्थ एवं आत्मनिर्भर भारत बनाने में सहयोग : श्री पंचगव्य केन्द्र नामक व्यापारिक प्रतिष्ठान में प्राकृतिक पेंट, गृहशुद्धि, अमृत रस, गौमूत्र अर्क, पंचगव्य त्रिफला चूर्ण, नस्थघृत, वैदिक आसन आदि वस्तुएं एवं औषधियों का निर्माण कर स्वस्थ एवं आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में निरंतर सहयोग किया जा रहा है।

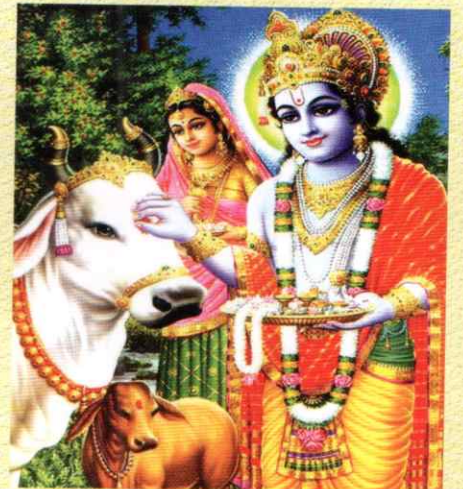
अमृतमय दूध उपलब्ध करना : निर्धारित शर्तों पर गौभक्तों के घरों में अमृतमय शुद्ध दूध उपलब्ध कराया जाता है।

जैविक सब्जी उपलब्ध करना : गौशाला की रिक्त पड़ी जमीन पर जैविक पद्धति से शाक-सब्जी पैदा कर स्वस्थ समाज के गठन का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

राष्ट्रहितैषी संस्थाओं को शिविर लगाने में सहयोग : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद, वनबन्धु परिषद (एकल अभियान), कल्याण आश्रम, हिन्दू जागरण मंच, राष्ट्र सेविका समिति आदि राष्ट्र हितैषी संस्थाओं को शिविर लगाने के लिए निःशुल्क स्थान उपलब्ध कराया जाता है।

ॐ जयश्रीराम जय घोष शब्द : हमारे आश्रम के सभी गौसेवक बातचीत के दौरान हैलो के स्थान पर ॐ जयश्रीराम बोलते हैं। इस तरह सभी सनातन धर्म प्रेमी अभिवादन व मोबाइल पर बात चीत के दौरान हैलो के बदले ॐ जयश्रीराम जय घोष कर सनातन धर्म व श्री रामराज्य की स्थापना की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

नित्य अनुष्ठान व प्रार्थनाएं : सम्पूर्ण विश्व में सनातन धर्म व श्री रामराज्य स्थापित करने के लिए, पूर्ण समर्पण प्रार्थना, तत्त्व ज्ञान प्रार्थना व सर्वमंगल प्रार्थना सहित प्रातः-सांय अग्निहोत्र, श्री गौमाता की आरती, श्री गौ गीता महायज्ञ एवं गौचालीसा पाठ हमेशा किए जाते हैं।



पूर्ण समर्पण प्रार्थना

प्यारे प्रभु प्रसन्न होकर, हमको शरण में लीजिये ।
हम आपको कभी भूलें नहीं, ऐसी कृपा कीजिये ।
अज्ञान का हो नाश, गीता ज्ञान हमको दीजिये ।
प्यारे प्रभु प्रसन्न होकर, हमको शरण में लीजिये ।
(1) हम मात - पिता, गुरु, गोमाता की, निःस्वार्थ भाव से सेवा करें ।
हम धर्मपरायण तत्त्वज्ञानी होकर, इस जग का उपकार करें ।
प्यारे प्रभु हम पर ऐसी, आप करुणा कीजिये ।
प्यारे प्रभु हमें ऐसा, सच्चाज्ञान दीजिये ।
(2) हम आप पर श्रद्धा विश्वास कर, सभी को तत्त्वज्ञान सिखलायें ।
हम राग, द्वेष, काम, क्रोध, मद, लालच से मुक्त हों ।
प्यारे प्रभु हमें ऐसी, सदबुद्धि तो दीजिये ।
प्यारे प्रभु हमें ऐसी, सत्संग आप दीजिये ॥
(3) हम अहिंसा के द्वारा, सनातन धर्म की रक्षा कर सत्यवादी बनें ।
हम मन में संतोष धर, सर्वत्र आपका दर्शन करें ।
प्यारे प्रभु हमें ऐसी, विवेकशक्ति दीजिये ।
प्यारे प्रभु हमें ऐसी, प्रगाढ़भक्ति दीजिये ॥
(4) हम सभी को समता त्याग सिखा, सात्विक आहारी बना सकें ।
हम तन, मन, धन, व वक्त का, सही उपयोग निभा सकें ।
प्यारे प्रभु हमें ऐसी, मधुरमवाणी दीजिये ।
प्यारे प्रभु हम पर ऐसी, आप कृपा कीजिये ॥
(5) हम पूर्ण आनन्दित होकर, सदा प्रेम से आपका सुमिरण करें ।
हम जीवन आपको अर्पण कर, कामनाओं का त्याग करें ।
प्यारे प्रभु हमें ऐसा, आशीर्वाद दीजिये ।
प्यारे प्रभु हम पर ऐसी, आप दया कीजिये ।
(6) हम आत्मा को परमात्मा मान, मनसे मोहको छोड़ सकें ।
निज अस्तित्व आप में लीन कर, जीते जी शांति पा सकें ।
प्यारे प्रभु हमें ऐसा, वैराग्य उत्तम दीजिये ।
प्यारे प्रभु हमें ऐसा, माधुर्यभाव दीजिये ॥
(7) हम गोवंश का प्रति पालन कर, आपकी जय जयकार करें ।
प्यारे प्रभु हमें ऐसा, आप सामर्थ्य दीजिये ।
प्यारे प्रभु हमें शरण में लेकर, ये प्रार्थना स्वीकार करें ।
प्यारे प्रभु प्रसन्न होकर, हमको शरण में लीजिये ।
हम आपको कभी भूलें नहीं, ऐसी कृपा कीजिये ।
अज्ञान का हो नाश, गीता ज्ञान हमको दीजिये ।
प्यारे प्रभु प्रसन्न होकर, हमको शरण में लीजिये । यारे प्रभु ... (२)

शरणागति

तन-मन-धन व बुद्धि सहित अपनी जीवात्मा के अस्तित्व को परमात्मा में पूर्ण समर्पित करने की मान्यता को ही शरणागति कहते हैं। इस शरणागति की मान्यता में किसी भी क्रिया की आवश्यकता नहीं होती।

जीवात्मा को इस शरणागति का अधिकार केवल मनुष्य योनि में ही मिलता है।

परमात्मा की शरण में जानेवाले सभी मनुष्य मायाजाल से मुक्त हो जाते हैं।

अनादिशक्ति माता से सर्वमंगल प्रार्थना

ॐ अनन्त ब्रह्माण्डों की जननी परम श्रद्धेय अनादि शक्ति माते !

पूर्ण समर्पित इस जीवात्मा का
सादर प्रणाम स्वीकार करें ।
प्रिय करुणामयी माते !
विश्व के समस्त मंदिरों में,
पुनः धर्म जागृति का संचार करके,
सर्वत्र सनातन धर्म व श्री रामराज्य,
पुनः स्थापित करने की कृपा अतिशीघ्र करें ।
ॐ जय श्री गौमाताय/दुर्गामाताय/कालीमाताय
लक्ष्मीमाताय/करणीमाताय शरणं प्रपद्ये ॥

परमपिता परमात्मा से सर्वमंगल प्रार्थना

ॐ अनन्त ब्रह्माण्डों के स्वामी परम श्रद्धेय परमात्मा !

पूर्ण समर्पित इस जीवात्मा का,
सादर प्रणाम स्वीकार करें ।
प्रिय करुणासागर प्रभु !
विश्व के समस्त मंदिरों में,
पुनः धर्म जागृति का संचार करके,
सर्वत्र सनातन धर्म व श्री रामराज्य,
पुनः स्थापित करने की कृपा अतिशीघ्र करें ।
ॐ जय श्री गणेशाय/सदाशिवाय/रामाय/श्यामाय
गोविंद गोपालाय/रामदूताय/सूर्यनारायणाय शरणं प्रपद्ये ॥

तत्त्वज्ञान प्रार्थना

ॐ अनन्त ब्रह्माण्डों के स्वामी प्यारे परमात्मा !

अज्ञानवश आप से भिन्न माने गये,
मेरे मिथ्या अस्तित्व का नाश कर,
मुझे अपनी शरण में रखते हुए,
इस काया से विश्व का अधिकतम उपकार,
करवाने की कृपा अतिशीघ्र करें।
प्यारे प्रभु ! ये तन-मन-धन और बुद्धि,
मेरे नहीं आपके हो चुके हैं।
कृपा कर पूर्ण रूप से समर्पित,
इस जीवात्मा का सादर प्रणाम स्वीकार करते हुए,
आपका भजन हमेशा होते रहने की अनुकम्पा करें।
हे नाथ ! विश्व के समस्त गौवंश के सुचारु प्रतिपालन से,
सनातन धर्म की रक्षा करते हुए, गीता ज्ञान द्वारा सभी मनुष्यों को
सात्विक आहारी, समतायुक्त और त्यागी बनाकर,
सर्वत्र आपकी जय-जयकार मनाने का सामर्थ्य प्रदान करें ॥

ॐ श्री गीता आश्रम गौ महातीर्थ की सहयोग योजनाएं ॐ

- 1) गौ सेवा में आहुति रूपी हरी/सूखी घास राशि : 4100/- (प्रति गाड़ी)।
- 2) नित्य गौ घास सेवा महायज्ञ - मातृशक्ति : 360/- (प्रति वित्तवर्ष)।
मातृशक्ति : 11001/- आजीवन।
पुरुष प्रभु : 1200/- प्रति वित्तवर्ष।
पुरुष प्रभु : 25001/- आजीवन।
- 3) गौ सेवा प्रतिपालन राशि प्रति गौमाता- : 1500/- मासिक।
: 18000/- वार्षिक।
: 111111/- आजीवन।
- 4) गौ खाद्य सामग्री के प्रसाद की सवामणी : 1800/-



इस सुरम्य गौशाला परिसर में पधार कर साक्षात् गौमाता की सेवा कर पुण्य प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा मासिक सेवा, जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ, पुण्यतिथि आदि परिवार के सभी उल्लेखनीय दिवसों पर सवामणी प्रसाद गौमाता को अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

- 5) ऊपर बताई गई नित्य गौघास सेवा महायज्ञ के तहत श्रद्धालुओं द्वारा सदस्य बन जाने पर घर बैठे प्रतिदिन गौ सेवा का पुण्य मिलता रहता है। गौ माता के आशीर्वाद से विधाता के लिखे प्रतिकूल लेख भी बदल जाते हैं।
- 6) “ॐ जयश्री गौमाताय शरणं प्रपद्ये:” मंत्र के उच्चारण के साथ पूर्व जन्मों व वर्तमान जन्म के तीनों कालों के सम्पूर्ण शुभ कर्मों के फल गौमाता को समर्पित करने वाले सभी मनुष्य मायाजाल से मुक्त हो जाते हैं।
- 7) अगर आपका व्यवसाय/पेशा संतोषजनक नतीजे नहीं दे रहा, तो मुनाफे का दसवां हिस्सा गौ सेवा में लगा कर मन चाहा फल प्राप्त कर सकते हैं।
- 8) गौ सेवा में दी गयी राशि का गौमाता जल्द से जल्द गुणात्मक फल देती है।
- 9) अन्य सहयोग - भूमिदान, भवन निर्माण, अर्थदान, तुलादान, गौदान, गौखाद्य सामग्री एवं औषधियों में सहयोग प्रदान कर पुण्य प्राप्त कर सकते हैं।
- 10) सभी सनातन धर्म प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि अपने घर के सभी सदस्यों के नाम से नित्य गौघास सेवा महायज्ञ में आहुति समर्पित कर गौमाता का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- 11) मंगल कलश : व्यापारिक व अन्य प्रतिष्ठानों में रखने हेतु।

सौभाग्यवान बनने के सूत्र

परहित सरिस धर्म नहिं भाई। पर पीड़ा सम नहिं अधमाई॥
परहित बस जिन्ह के मन माहीं। तिन्ह कहूँ जग दुर्लभ कछु नाहीं॥
किये जा तूं जग में भलाई का काम। तेरे भण्डार भरेंगे राम॥

सभी सनातन धर्म प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि विश्व में सनातन धर्म व श्री रामराज्य पुनः स्थापित करने की भावना रखते हुए हमारी संस्था को तन-मन-धन से सहयोग कर इस महान कार्य को आगे बढ़ाएं।